UNIVERSITY NEWS 10 MARCH 2026

DAINIK JAGRAN

'महिलाओं के प्रति सम्मान को मिले बढ़ावा'

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला एवं जेंडर अध्ययन संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर आउटरीच कार्यक्रम हुआ। स्कूल की छात्राओं एवं वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से रही, जिससे विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान संभव हुआ। इस बात पर जोर दिया गया कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए सही समाजीकरण अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को प्रारंभ से ही ऐसे शिक्षित किया जाना चाहिए जो महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता व उनके योगदान को बढ़ावा दे। समन्वयक डा. मनीनी श्रीवास्तव, डा. अंकिता श्रीवास्तव, डा. संजू त्रिपाठी, सरिता, रोमा व विद्यार्थी मौजूद रहे। वि.

शिविर में छात्र-छात्राओं ने किया ध्यान का अभ्यास

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंडियन योग फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में योग सप्ताह के दूसरे दिन सोमवार को विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर सुबह छह बजे ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें योग विभाग की छात्र-छात्राओं में शामिल अंकित गौतम, संजना, मनीषा, अर्चना, कृष्ण बिहारी वाजपेई, दिवाकर, श्वेतालिका, पूजा पाठक, सुनीता यादव, मोनिका सिंह, विनीत, सविता रंजन, ऊषा गौतम, आशा रघुवंशी ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन डा. रामकिशोर और योगाचार्य कैलाश कुमार ने किया। फैकल्टी के को-आर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि ध्यान करने से मन की एकाग्रता बढ़ती है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मन को शांत करता है और तनाव को काम करता है। वि.

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुआ टीचर्स क्लब का होली मिलन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 'टीचर्स क्लब' की ओर से सोमवार को 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ होली मनाई। मुख्य अतिथि लवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी रहे। क्लब के अध्यक्ष प्रो. राजीव मनोहर और कोषाध्यक्ष डा. विनीत वर्मा ने स्वागत किया। कुलपति ने कहा कि होली पर्व हमारे अंतर्मन की बुराइयों को मिटाकर प्रेम और सद्भावना के रंग बिखेरने का अवसर है। उन्होंने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक ही समाज में सही मूल्यों के रंग भरता है। कुलपति ने आह्वान किया कि वे इस पर्व की ऊर्जा को विश्वविद्यालय की प्रगति और नवाचार में लगाएं। वि.

वरिष्ठ प्रोफेसर के चयन के लिए गाइडलाइन जारी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार वरिष्ठ आचार्य पद की चयन प्रक्रिया को लेकर गाइडलाइन जारी की है। बीते दिनों हुई कार्य परिषद में इसे स्वीकृति दे दी गई थी। सोमवार को कुलसचिव डा. भावना मिश्रा की ओर से जारी पत्र के अनुसार सीनियर प्रोफेसर का पद विश्वविद्यालय का सर्वोच्च शैक्षणिक पद माना जाएगा। इसके लिए चयन विशेष चयन समिति के माध्यम से किया जाएगा। पदोन्नति के लिए चयन समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता कुलपति करेंगे। समिति में कुलाधिपति के नामित एक शिक्षाविद, संबंधित विषय के कम से कम 10 वर्ष के अनुभव वाले तीन विशेषज्ञ, संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष अथवा विभाग के वरिष्ठतम प्राध्यापक शामिल होंगे।

AMAR UJALA

वरिष्ठ आचार्य बनने के लिए नई चयन समिति और मापदंड तय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने प्रोफेसर से वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति के लिए नई चयन प्रक्रिया और मापदंडों को मंजूरी दे दी है। यह व्यवस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की 2018 की नियमावली के अनुसार लागू की जाएगी। सोमवार को इस संबंध में कुलसचिव की ओर से दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

समिति की अध्यक्षता कुलपति करेंगे, दस साल अनुभव व दस शोधपत्रों पर मिलेगी पदोन्नति

कुलाधिपति नामित एक शिक्षाविद्, संबंधित विषय के तीन विशेषज्ञ भी होंगे शामिल

नई व्यवस्था के तहत पदोन्नति के लिए एक चयन समिति गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता कुलपति करेंगे। समिति में कुलाधिपति की ओर से नामित एक शिक्षाविद, संबंधित विषय के कम से कम दस वर्ष के अनुभव वाले तीन बाहरी विशेषज्ञ, संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष या विभाग के वरिष्ठतम प्राध्यापक शामिल होंगे।

पदोन्नति के लिए प्राध्यापक के पास कम से कम दस वर्ष का अनुभव होना चाहिए। साथ ही पिछले दस वर्षों में प्रकाशित दस उत्कृष्ट शोध कार्य मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करने होंगे और विषय विशेषज्ञों की अनुकूल समीक्षा भी जरूरी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस प्रक्रिया से शिक्षण और शोध की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

यदि आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला या दिव्यांग वर्ग से होगा तो उस वर्ग का एक प्रतिनिधि शिक्षाविद भी समिति में शामिल किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान कम से कम चार सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य होगी, जिनमें दो बाहरी विशेषज्ञ होना जरूरी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

रिश्तों को मजबूत करने का पर्व है होली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टीचर्स क्लब की ओर से सोमवार को परिसर में होली मिलन समारोह हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत फूलों की होली से हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और आपसी रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है। ऐसे आयोजन विश्वविद्यालय परिवार को और करीब लाते हैं। क्लब के अध्यक्ष प्रो. राजीव मनोहर और कोषाध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा समेत बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विश्वविद्यालय की पुरुष और महिला कराटे टीम का चयन 13 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पुरुष और महिला कराटे टीम के चयन के लिए ट्रायल 13 मार्च को आयोजित किया जाएगा। यह ट्रायल लविवि के महाराजा सिंह जिम्नेजियम में सुबह 11 बजे से होगा। चयनित खिलाड़ी उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं 2025-26 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। कराटे क्लब के अध्यक्ष डॉ. एनबीरी शुक्ला के अनुसार ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों को 12 मार्च शाम पांच बजे तक लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन कार्यालय में पंजीकरण कराना होगा। प्रतिभागियों को दो पासपोर्ट आकार के फोटो, वर्तमान फीस रसीद, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की अंकतालिका व प्रमाणपत्र तथा स्नातक या परास्नातक की अंकतालिका की छायाप्रति साथ लानी होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि की मेस में सात दिन की गैस रिजर्व

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। व्यावसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक जाने का असर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले दो हजार छात्र-छात्राओं पर पड़ने की आशंका है। इनके रोजाना के भोजन की व्यवस्था मेस पर निर्भर है। फिलहाल मेस में गैस का भंडार सीमित है और ज्यादा से ज्यादा सात दिन तक काम चल सकता है।

लविवि के मुख्य परिसर और जानकीपुरम स्थित नए परिसर को मिलाकर कुल 18 छात्रावास हैं। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का गैस आपूर्ति पर इतना असर पड़ेगा, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। दोनों परिसरों के छात्रावासों में लगभग दो हजार छात्र-छात्राएं मेस में नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन करते हैं।

युद्ध लंबा खिंचा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि युद्ध खिंचा और गैस आपूर्ति चालू नहीं की गई तो मेस संचालन में दिक्कतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, विद्यार्थियों को भूखा नहीं रहने दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अन्य व्यवस्था की जाएगी।

बीबीएयू और पुनर्वास विश्वविद्यालय में 12 दिन तक नहीं होगी किल्लत

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की कैंटीन व छात्रावासों की मेस में 12 दिन तक सिलिंडर का इंतजाम है। बीबीएयू के प्रवक्ता डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि ठेकेदारों की ओर से यह व्यवस्था की जाती है। पुनर्वास विवि के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने कहा कि कैंटीन संचालकों से गैस संकट पर बात की तो उन्होंने बताया कि अभी कोई दिक्कत नहीं है। युद्ध लंबा खिंचा तो परेशानी आएगी। (संवाद)

I NEXT

विमेंस डे किया गया सेलिब्रेट

LUCKNOW (9 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ विमेन एंड जेंडर स्टडीज ने विमेंस डे के मौके पर एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य समाज में जेंडर संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता फैलाना था. इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली गर्ल्स और ओल्ड एज होम में रह रहीं महिलाओं के साथ संवाद किया गया और उनके एक्सपीरियंसेज के बारे में बात की गई. कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए, सशक्तिकरण बेहद जरूरी है. इस मौके पर डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. संजू त्रिपाठी, सरिता, रोमा आदि मौजूद रहे.

पीएचडी स्कॉलर्स अब हर साल जमा करेंगे अपनी फीस

LUCKNOW (9 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब पीएचडी स्कॉलर्स को हर साल फीस जमा करनी होगी. अभी तक यूनिवर्सिटी में व्यवस्था थी कि पीएचडी स्कॉलर्स दो तीन साल की फीस एक साथ जमा कर सकते थे. फीस की रसीद रिसर्च प्रपोजल के साथ लगाई जाएगी. एलयू में स्टूडेंट्स के लिए फुल टाइम और पार्ट टाइम, दोनों ही मोड में पीएचडी कोर्स अवेलेबल है. जिसमें स्टूडेंट्स के रिसर्च प्रपोजल के साथ डिपार्टमेंट लेवल पर एक प्रोग्रेस रिपोर्ट भी तैयार की जाती है. यूनिवर्सिटी द्वारा लिए गए फैसले के मुताबिक, हर डिपार्टमेंट में जेआरएफ और एसआरएफ के तहत रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स को साल दर साल फीस जमा करने के बारे में जानकारी दी जाए, क्योंकि अभी तक स्टूडेंट्स रिसर्च पेपर सब्मिशन के टाइम तक भी एक साथ फीस जमा कर देते थे.

TIMES OF INDIA

Awareness on gender sensitivity

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's Institute of Women and Gender Studies celebrated Women's Day by organising an outreach programme aimed at spreading awareness about gender sensitivity in the society.

Under the initiative taken by vice-chancellor Prof Jai Prakash Saini, students visited and met women residing in an old age home in Lucknow. The programme highlighted the importance of building a society where respect for women becomes a natural part of everyday life. Participants emphasised that both boys and girls should be raised with values that promote dignity, equality, and appreciation for women's contributions in society.

students visit old age home

PhD scholars to submit fee annually

Lucknow University has said that PhD scholars will now have to deposit their research fees every year, ending the earlier practice of paying two or three years' fees together. The decision was taken recently in a research committee meeting. Now, scholars will have to submit annual fee receipts along with their research proposals and progress reports. Those who fail to pay the yearly fee will have their research work considered suspended.

HINDUSTAN

वरिष्ठ आचार्य पदोन्नति के लिए नई प्रक्रिया को मंजूरी

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। एलयू की हाल में हुई कार्य परिषद ने प्रोफेसर को वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति देने के लिए नई चयन प्रक्रिया और मापदंडों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह व्यवस्था अनुदान आयोग की वर्ष 2018 की नियमावली के अनुसार लागू की जाएगी। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आचार्य से वरिष्ठ आचार्य पद पर पदोन्नति के लिए एक चयन समिति गठित की जाएगी। इस समिति की अध्यक्षता कुलपति करेंगे। समिति में कुलाधिपति के नामित एक शिक्षाविद, संबंधित विषय के कम से कम 10 वर्ष के अनुभव वाले तीन विशेषज्ञ, संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष अथवा विभाग के वरिष्ठतम प्राध्यापक शामिल होंगे। आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला अथवा दिव्यांग वर्ग से होगा तो उस वर्ग का एक प्रतिनिधि शिक्षाविद भी समिति में नामित किया जाएगा।

ध्यान से मन को एकाग्रता मिलती है

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित गौरव स्थल पर योग सप्ताह के दूसरे दिन योग विभाग और इंडियन योग फेडरेशन की ओर से सुबह छह बजे ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। यहां संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि ध्यान करने से मन को एकाग्रता, मन को शांति और तनाव कम करने में मदद मिलती है। आज के समय में काम का दबाव, पढ़ाई का तनाव और व्यक्तिगत समस्याएं व्यक्ति को मानसिक रूप से परेशान कर देती हैं, ऐसे में नियमित रूप से ध्यान करने से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। अपनी सांसों और विचारों पर ध्यान देता है जिससे मस्तिष्क को विश्राम मिलता है इससे चिंता घबराहट और तनाव जैसी समस्याएं कम होती हैं।

योग विभाग और इंडियन योग फेडरेशन की ओर से ध्यान शिविर का आयोजन हुआ

प्रेम, सद्भावना के रंग बिखेरें: कुलपति

लखनऊ। एलयू के टीचर्स क्लब की ओर से परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने यहां शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमारे अंतर्मन की बुराइयों को मिटाकर प्रेम और सद्भावना के रंग बिखेरने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक परिवार की तरह है, और ऐसे आयोजन हमारे बीच की दूरियों को कम कर एक अकादमिक वातावरण तैयार करते हैं।

महिला सम्मान के लिए समाजीकरण जरूरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन संस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समन्वयक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं और एक वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से रही, जिससे विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान संभव हुआ। इस दौरान बताया गया कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए सही समाजीकरण अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को प्रारंभ से ही ऐसे मूल्यों के साथ शिक्षित किया जाना चाहिए। डॉ. अंकिता श्रीवास्तव, डॉ. संजू त्रिपाठी, सरिता, रोमा समेत अन्य उपस्थित रहे।

NBT

रिसर्च को बढ़ावा देने को तैयार की जा रही SOP

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने के लिए अब विवि की ओर से नई गाइडलाइन (एसओपी) तैयार की जा रही है। इसमें अब विवि में संचालित होने वाले रिसर्च प्रोजेक्ट के संचालन को आसान बनाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही कॉलेजों में भी शोध कार्य बेहतर हो इसके लिए भी गाइडलाइन बन रही है। इससे अब एलयू अपनी वित्तीय स्थिति भी सुधारने की भी कोशिश कर रहा है।

शोध प्रोजेक्ट के लिए शासन की ओर से फंड दिया जाता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट विवि के शिक्षकों को मिलने से फंड भी आ सकेगा। यही वजह है कि विवि शोध पर अब फोकस कर रहा है। प्रोजेक्ट का काम अब तक डीन रिसर्च के माध्यम से किया जाता था। ऐसे में प्रोजेक्ट इंचार्ज को हेड और डीन के साथ डीन रिसर्च से भी सारे प्रस्ताव फॉरवर्ड करवाने पड़ते थे। विवि की ओर से अब डीन रिसर्च का पद ही खत्म कर दिया गया है। वहीं प्रोजेक्ट इंचार्ज की पावर भी नई गाइडलाइन में बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इससे रिसर्च प्रोजेक्ट का काम काफी आसान हो सकेगा। इसके अलावा विवि की ओर से कॉलेजों को रिसर्च सेंटर के रूप में स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। विवि के प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि गाइडलाइन पर काम चल रहा है। इसे अगली अकैडमिक काउंसिल में रखा जाएगा।

LU वीसी ने शिक्षकों के साथ मनाई होली

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 'टीचर्स क्लब' की ओर से सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में 'होली मिलन समारोह' का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों ने वीसी के साथ फूलों की होली खेलकर होली की बधाई दी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि अंतर्मन की बुराइयों को मिटाकर प्रेम और सद्भावना के रंग बिखेरने का अवसर है। क्लब के अध्यक्ष प्रो. राजीव मनोहर और कोषाध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर विवि के सभी डीन व शिक्षक समारोह में शामिल रहे।

महिला सशक्तीकरण पर किया जागरूक

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट आफ विमंस ऐंड जेंडर स्टडीज की ओर से सोमवार को महिला दिवस अनोखे अंदाज में मनाया गया। इंस्टिट्यूट की ओर से शहर के ओल्ड एज होम व स्कूलों में जाकर महिलाओं व बच्चियों के साथ महिला दिवस मनाया गया। हैप्पी पैरेंट होम वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं के साथ जहां केक काटा गया तो वहीं एससी पब्लिक स्कूल समेत कई स्कूलों में छात्राओं के बीच महिला दिवस पर संवाद आयोजित किया गया। इंस्टिट्यूट की कोऑर्डिनेटर डॉ. मनीनी श्रीवास्तव ने महिला सशक्तीकरण पर छात्राओं को जागरूक किया।

AMRIT VICHAR

ध्यान करने से तनाव के हार्मोन कॉर्टिसोल होता है कम

विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के निकट ध्यान का अभ्यास करती छात्राएं। अमृत विचार

ध्यान से होने वाले लाभ

- रक्तचाप नियंत्रित रहता है।
- हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है।
- नींद की गुणवत्ता सुधरती है।
- प्रतिरक्षा प्रणाली में मजबूत होती है।
- अनिद्रा की बीमारी दूर होती है।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ध्यान करने से मन की एकाग्रता बढ़ती, ध्यान का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मन को शांत करता है और तनाव को काम करता है। आज के समय में काम का दबाव, पढ़ाई का तनाव और व्यक्तिगत समस्याएं व्यक्ति को मानसिक रूप से परेशान कर देती हैं, नियमित रूप से ध्यान करने से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिंस विभाग के आयोजित कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ डॉ. अमरजीत यादव ने कहा। विश्वविद्यालय में इंडियन योग फेडरेशन के तत्वाधान में योग सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

योग सप्ताह के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने ध्यान का अभ्यास किया। फैकल्टी ऑफ योग के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि कई वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ध्यान करने से कॉर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे व्यक्ति अधिक शांत और संतुलित महसूस करता है। नियमित अभ्यास से मस्तिष्क की कार्य क्षमता बढ़ती है और स्मरण शक्ति भी बेहतर होती है। ध्यान का प्रभाव मन ही नहीं शरीर पर भी पड़ता है। ध्यान शिविर में योग विभाग के अंकित गौतम, संजना, मनीषा, अर्चना, कृष्ण बिहारी वाजपेई, दिवाकर, श्वेतालिका, पूजा पाठक, सुनीता यादव मोनिका सिंह, विनीत, सविता रंजन, उषा गौतम, आशा रघुवंशी ने भाग लिया।

एआई से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी तक है संस्कृत प्रासंगिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

[illegible]

लविवि में वरिष्ठ आचार्य पदोन्नति प्रक्रिया को मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

[illegible]

[illegible]

लविवि में शिक्षकों ने मनाई होली

[illegible]

जेंडर संवेदनशीलता पर कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में महिला एवं जेंडर अध्ययन संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। जिसका उद्देश्य समाज में जेंडर संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में स्कूल की छात्राओं व वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से रही, जिससे विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान संभव हुआ। कार्यक्रम का समन्वय संस्थान की समन्वयक डॉ. मनीषी श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

AAJ

शिक्षक ही समाज में सही मूल्यों के रंग भरता है- कुलपति

लखनऊ विश्वविद्यालय में हर्षो-उल्लास पूर्वक मनाया गया होली मिलन समारोह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टीचर्स क्लब द्वारा लविवि परिसर में सोमवार को भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। रंगों के इस पावन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ होली मनाई। समारोह के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जे पी सैनी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्यौहार नहीं है, बल्कि यह हमारे अंतर्मन की बुराइयों को मिटाकर प्रेम और सद्भावना के रंग बिखेरने का अवसर है। उन्होंने कहाए विश्वविद्यालय एक परिवार की तरह है और ऐसे आयोजन हमारे बीच की दूरियों को कम कर एक मजबूत अकादमिक वातावरण तैयार करने में सहायक होते हैं। कुलपति ने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक ही समाज में सही मूल्यों के रंग भरता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे इस पर्व की ऊर्जा को विश्वविद्यालय की प्रगति और नवाचार में लगाएं। क्लब के अध्यक्ष प्रो राजीव मनोहर और कोषाध्यक्ष डॉ विनीत वर्मा ने स्वागत किया कार्यक्रम का शुभारंभ पुष्प-होली के साथ हुआ। टीचर्स क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिवार को एक साझा मंच पर लाना है, जहां सभी सदस्य औपचारिकता से परे होकर उत्सव का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि होली मिलन समारोह विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है और यह हर वर्ष नई ऊर्जा और उत्साह के साथ मनाया जाता है इस अवसर पर कला संकायाध्यक्ष प्रो अरविन्द मोहन विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो शीला मिश्रा समेत समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।